प्रथम सत्र

समय– सुबह: 11:00 से 12:00 तक

विषय–"स्वतंत्रता संग्राम में हिन्दी कथा साहित्य का योगदान"

मुख्य वक्ता : डॉ. मैथिली प्र.राव

उपनिदेशक शोधार्थी प्रशिक्षण एवं प्रबंधन केंद्र, जैन अभिमत पात्र विश्वविद्यालय, बेंगलूर.

अध्यक्ष : विनय कुमार यादव महासचिव

कर्नाटक राज्य विश्वविद्यालय कालेज हिन्दी प्राध्यापक संघ बेंगलूर,

मुख्य अतिथि: डॉ. पांडुरंग चिलगर

महात्मा फुले महाविद्यालय, अहमदपुर,जि. लातूर महाराष्ट्र,

डॉ. एस. एस. देसाई

श्री संगमेश्वर कला तथा वाणिज्य महाविद्यालय चडचण,

डॉ. संतोष नागूर

सहप्राध्यापक, ए. एस. एम. डाहिला महाविद्यालय, बाल्लारी

संचालन– कुमारी अंकिता पाटिल

द्वितीय सत्र 12.00 से 1.00 तक

विषय– "स्वतंत्रता संग्राम में हिन्दी काव्य साहित्य का महत्व"

मुख्य वक्ता : प्रो. परिमला अंबेकर

हिन्दी अध्ययन विभाग, गुलबर्गा विश्वविद्यालय कलबुर्गी, कर्नाटक

अध्यक्ष: डॉ. एस. ए. मंजुनाथ,

अध्यक्ष, कर्नाटक राज्य विश्वविद्यालय कालेज हिन्दी प्राध्यापक संघ, बेंगलूर

मुख्य अतिथि :डॉ. सुभाष जी. राणे, द. भा. हिन्दी प्रचार सभा, चन्नई

डॉ .राजकुमार नाईक, सह प्राध्यापक द. भा. हिन्दी प्रचार सभा, धारवाड

श्री धन्य कुमार बिरादार, हरिभाई देवकरण महाविध्यालय, सोलापूर

संचालन: डॉ.अशोक सूर्यवंशी

भोजन:1–00 से 2–00 बजे,

तृतीय सत्र 2:00 से 3:00 बजे,

प्रतिभागियों द्वारा प्रपत्र वाचन

अध्यक्ष: प्रो. मंजुनाथ अंबिग दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा चन्नई

मुख्य अतिथि: डॉ. अशोक सूर्यवंशी सहायक प्राध्यापक

बि .एच .एस.कला तथा पि जी एस विज्ञान महाविद्यालय जमखंडी,

डॉ, विलास अंबाजी सालुंके शासकीय महाविद्यालय सेडम

डॉ.दयानंद शास्त्री एन व्ही महाविद्यालय कलबुर्गी

संचालन– डॉ. संतोष नागूर

समापन समारोह

समय 3:30 से 4:30

मुख्य अतिथि : श्री संजय कोतबाल सदस्य, एस. जि. वि. वि. ट्रश्ट कोप्पल

अध्यक्ष– डॉ.चन्नबसव प्राचार्य

श्री गविसिध्देश्वर कला, विज्ञान और वाणिज्य महाविद्यलय, कोप्पल

डॉ. एस. ए. मंजुनाथ

अध्यक्ष, कर्नाटक राज्य विश्वविद्यालय कालेज हिन्दी प्राध्यापक संघ, बेंगलूर

डॉ. करिबसवेश्वर बी उप प्राचार्य, वाणीज्य विभाग

श्री गविसिध्देश्वर कला, विज्ञान और वाणीज्य महाविद्यलय कोप्पल,

संचालन–प्रो.शरणबसप्पा बिळियले

आयोजन मंडल

प्रो.अरूणकुमार ए. जी. सहायक प्राध्यापक,

अंग्रेजी विभाग एवं संयोजक IQAC,

प्रो. शरणप्पा जालिहाल, सहायक प्राध्यापक, वाणिज्य विभाग

डॉ. प्रशांत कोंकल, सहायक प्राध्यापक प्राणिशास्त्र विभाग,

प्रो.शरणबसप्पा बिळियले, सहायक प्राध्यापक अर्थशास्त्र विभाग,

डॉ. मंजुनाथ एम., भौतशास्त्र विभाग

तांत्रिक विभाग

प्रो. शफ़ि सरदार, सहायक प्राध्यापक, गणक शास्त्र विभाग

प्रो. महेश बिरादार, सहायक प्राध्यापक, ग्रंथालय विभाग

श्री अशोक कुमार गोगी, कार्यालय सहायक

श्री प्रदीप बळ्ळोळी, कार्यालय सहायक

आज़ादी का अमृत महोत्सव

केंद्रीय हिन्दी संस्थान आगरा

कर्नाटक राज्य विश्वविद्यालय

कालेज हिन्दी प्राध्यापक संघ, बेंगलूर

श्री गविसिध्देश्वर कला, विज्ञान तथा वाणिज्य महाविद्यालय, कोप्पल. कर्नाटक

(एयाक से B++ श्रेणी प्राप्त)

हिन्दी विभाग, तथा (IQAC)

संयुक्त तत्वावधान में आयोजित

एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

भारत के स्वतंत्रता संग्राम में हिन्दी लेखकों का योगदान

आमंत्रण

शनिवार, 30 जुलाई 2022

स्थल : कालेज का सभा भवन

संगोष्ठी संयोजक

डॉ. चन्नबसव, प्राचार्य, श्री गविसिध्देश्वर कला,विज्ञान और वाणीज्य महाविद्यलय, कोप्पल.

डॉ. एस ए मंजुनाथ, अध्यक्ष, कर्नाटक राज्य विश्वविद्यालय कालेज हिन्दी प्राध्यापक संघ, बेंगलूर.

डॉ. दयानंद सालुंके, हिन्दी विभागाध्यक्ष, श्री गविसिध्देश्वर कला,विज्ञान और वाणीज्य महाविद्यलय, कोप्पल.

डॉ. विनय कुमार यादव, महासचिव, कर्नाटक राज्य विश्वविद्यालय कालेज हिन्दी प्राध्यापक संघ, बेंगलूर.

डॉ. परमान सिंह, संयोजक, आजादी का अमृत महोत्सव, केंद्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा.

आप सभी का हार्दिक स्वागत है ।

Aishwarya Koppal. 8147348440

स्वागत

स्वागत –आप को सूचित करते हुए बहुत खुशी हो रही है कि हमा रे महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के पावनपर्व के सु अवसर पर भारत के "स्वातंत्रता संग्राम में हिन्दी लेखकों का योगदान" इस विषय पर केंद्रीय हिन्दी संस्थान आगरा तथा कर्नाटक राज्य विश्वविद्यालय कालेज हिन्दी प्राध्यापक संघ बेंगलूर. के संयुक्त तत्वाधान में एक दिवसिय राष्ट्रीय संगोष्टी (सेमिनार) आयोजन किया जा रहा है। संगोष्टि में काव्य तथा कथा साहित्य पर अपने विमर्षात्मक वक्तव्य प्रस्तुत करने केलिए देश के विभिन्न विषय विशेषज्ञ पदार रहें है । इस संगोष्टी में सह भागिता हेतु हम आप का हार्दिक स्वागत करते हैं ।

अपना शहर–

कोप्पल कर्नाटक राज्य का एक प्राचीन ऐतिहासिक शहर है। जैनों की काशी, तिरुलुगन्नड नाडु, विदित महा कोपण नगर. इस शहर के प्राचीन नाम है । यहां मौर्य साम्राट अशोक के दो शिलालेख भी है । और श्रीराम के सेवक वीर हनुमान का जन्म स्थान अंजनाद्री पहाड भी कोप्पल शहर के कुछ ही दूरी पर आप को देखने को मिलेगा । ऐसे एक ऐतिहाशिक पौराणिक शहर में स्वाातंत्र संग्राम में हिन्दी साहित्य कारों का योगदान और साहित्यिक स्मरण और चिंतन मनन करने केलिए आप को हमारा कोप्पल शहर आदर पूर्वक स्वाग करता हैं ।

श्री गविसिद्धेश्वर विद्यावर्धक समिति–

सन 1963 में स्थापित यह समिति इस प्रदेश के शैक्षणिक,साहित्यिक तथा सामाजिक उन्नति के लिए सदैव कार्यरत रही है । आज के प्रस्तुत पीठाधिपति श्री गविमठके परम पूज्य श्री म. नि. प्र. स्व. ज. अभिनव श्री गविसिध्देश्वर महा स्वामीजी अपनी क्रियाशीलता से इस समिति को अत्यंत उन्नत स्तर पर खडा कर दिये हैं। शिशुविहार से लेकर स्नात्तकोत्तर तक की शिक्षा यहाँ दी जाती है । 5000 गरीब विध्यार्थियों केलिए निशुल्क छात्रावास यहां उपलब्ध है । इस के अलावा आयुर्वेदिक महाविद्यालय और अस्पताल जन हित केलिए सदैव खुला रहता है । अन्न दासोह, शिक्षण दासोह: तथा अध्यात्मिक दासोह. जैसे त्रिविध दासोह का नित्य कर्म यहाँ चलता आ रहा है।

अपना महाविध्यालय–परम पूज्य लिंगैक्य श्री म.नि.प्र.स्व.ज श्री मरिशांतवीर महास्वामी जी के करकमलों से 1963 में हमारा महाविद्यालय स्थापित होकर कल्याण कर्नाटक के पिछडे इलाके में शैक्षणिक क्षेत्र में अपना महत्वपूर्ण योगदान देते आया है । यह महाविद्यालय तकनिकयुक्त ग्रंथालय,आधुनिक प्रयोग शालायें एवं पाठ प्रवचन केलिए सुसज्जित कक्षाओं से परिपूर्ण है। जहां अनुभवी तथा विद्वत्त प्राध्यापक अपने ज्ञान के प्रकाश से विध्यार्थियों को मार्गदर्शन दे रहे हैं । इस के अलावा कला, साहित्य,सांस्कृतिक और क्रीडा जैसे अनेक क्षेत्रों में भी हमारा यह महाविद्याालय अग्रणीय भूमिका निभा रहा है ।

संगोष्टी का विषय–

आजादी का अमृत महोत्सव प्रगतीशील भारत के 75 साल, लोगों की संस्कृतिक सामाजिक ,आर्थिक और राजनीतिक उपलब्धियों की गौरव शाली इतिहास को स्मरण करने वाली भारत सरकार की एक पहल है । यह महोत्सव भारत के लोगों को समर्पित है, जिन्होंने न केवल भारत को अपनी विकास वादी भारत यात्रा में लानें में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह महोत्सव भारत की सामाजिक–सांस्कृतिक राजनीतिक और साहितिक पहचान के बारे में प्रगतीशील है। अत: हमनें "भारत के स्वतंत्रता संग्राम में हिन्दी लेखकों का योगदान" नामक महत्वपूर्ण विषय पर राष्ट्रीय संगोष्टी रखे हैं। यहां हिन्दी भाषा केलिए और अजादी के समय अपना बहु मूल्य योगदान दिए हुए हिन्दी साहित्य कारों का स्मरण करें गे।

यह हमारा सौभाग्य है कि समय ने, देश ने इस अम्रुत महोत्सव को साकार करने की जिम्मेदारी हम सब को दी है, एक तरह से यह प्रयास है कि जैसे 75 साल का ये आजादी का अमृत महोत्सव आयोजन भारत के जन–मन का तथा भारत के हर मन का पर्व बने ।

पंजीकरण प्रात: 9–00 से 9–30 बजे
जलपान प्रात: 9:30 से 10–00 बजे

उद्घाटन समारोह

समय– सुबह: 10:00 से 11:00 तक

दिव्यसानिध्य: परमपूज्य श्री म. नि. प्र. स्व. ज.
अभिनव श्री गविसिध्देश्वर महा स्वामीजी
संस्थान श्री गविमठ, कोप्पल

उद्घाटक :
प्रो .सिद्धु पि. आलगूर
माननीय कुलपती
विजयनगर श्री क्रिष्णदेवराय विश्वविद्यालय, बल्लारी

बीज वक्ता :
प्रो. टि. वि. कट्टिमनि
माननीय कुलपती, आंद्रप्रदेश केन्द्रीय आदिवासी विश्वविद्यालय विजयनगरम,आंद्रप्रदेश,

मुख्य अतिथि :
श्रीमती हेमलता नायक
सदस्य, विधान परिषत कर्नाटक सरकार
सदस्य, अकाडमिक कौन्सिल
विजयनगर श्री क्रिष्णदेवराय विश्वविद्यालय, बल्लारी
डॉ. आर. मरेगौडा
कार्यदर्शी एस. जि. व्हि. व्हि: ट्रस्ट कोप्पल,
प्रो. परिमला अंबेकर, हिन्दी अध्ययन विभाग
गुलबर्गा विश्वविद्यालय कलबुर्गी, कर्नाटक
डॉ. बसवराज पूजार
सिंडिकेट सदस्य, विजय नगर श्री क्रिष्णदेवराय विश्वविद्यालय, बल्लारी
डॉ. चन्नबसव
प्राचार्य, श्री गविसिध्देश्वर कला, विज्ञान और वाणीज्य महाविद्यलय कोप्पल

संचालन : **प्रो. विनय कुमार यादव,**

डॉ. दयानंद सालुंके संपादित, दो पुस्तकों का लोकार्पण– गद्य सखा, गद्य भारती